Youth Conclave Organized at Central University of Haryana

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: The Tribune **Date: 30-08-2024**

Mahendragarh: A youth conclave was organised on Thursday at the Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, following the directives of the University Grants Commission (UGC). The aim of the programme was to develop leadership skills among students and enhance their knowledge of national and global issues. The students were divided into two groups: UNDP and AIPPM. In UNDP, the students represented different countries, while in AIPPM, they represented different political parties. The programme centered around "Lifestyle for the Environment". Vice-Chancellor Prof Tankeshwar Kumar said the event would help in developing an understanding of the democratic system among students and ensure their active participation in it.

Haryana Tribune Fri, 30 August
https://epaper.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 30-08-2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हुआ युवा मंथन का आयोजन

कुलपति बोले युवाओं में देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की समझ सक्रिय भागीदारी के लिए आवश्यक

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में गुरुवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के निदेशानुसार युवा मंथन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता का विकास और युवाओ में राष्ट्रीय एवं वैश्विक मुद्दो पर जानकारी बढ़ाना है। विध्यार्तियों को दो अलग-अलग वर्गों में बंटा गया यू.एन.डी.पी. और ए.ई.पी.पी.एम.। यू.एन.डी.पी. में विध्यार्तियों ने अलग-अलग देशों और ए.ई.पी.पी.एम. में अलग-अलग राजनीतिक दलों का नेतृत्व किया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। कार्यक्रम की रूपरेखा व स्वागत भाषण छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा के द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहें।

पर्यावरण के लिए जीवनशैली विषय पर केंद्रित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही यह आयोजन विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक व्यवस्था की समझ को विकसित करने और उनकी इस व्यवस्था में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने में मददगार साबित होगी। कुलपति ने अपने संबोधन में विश्व कल्याण के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि न सिर्फ भारत बल्कि समूचे विश्व में आपसी सहयोग, समरसता स्थापित करने की दिशा में प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया की कैसे हमारा सामान्य जीवन राजनैतिक दलों से प्रभावित होता है। शिक्षा मंत्रालय व यूजीसी के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में युवाओं को चाहिए कि वो न सिर्फ लोकतांत्रिक व्यवस्था व उससे जुड़ी संस्थाओं को जाने समझे बल्कि वे इनकी कार्यप्रणाली में सक्रिय भागीदारी जोकि उनके स्तर पर संभव है, वो भी निभाए।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का स्वागत करते प्रो. आनंद शर्मा। **आज समाज**

कुलपति ने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था जनता के लिए, जनता के द्वारा की नीति पर कार्य करती है और विश्व कल्याण के लिए आवश्यक है कि यह विचार समूचे विश्व के स्तर पर स्वीकार्य हो। आज समय है कि हम न सिर्फ संसद, विधानसभा जैसी संस्थाओं की प्रक्रिया को जाने समझे बल्कि उनमें सक्रिय भागीदारी भी करें। वोट का अधिकार तो हमें ज्ञात है आवश्यक है कि उसके महत्व को भी जाने। कुलपति ने युवा मंथन के इस दिशा में बेहद आवश्यक और समय की मांग बताते हुए कहा कि अवश्य ही ऐसे ही प्रयासों और उनमें युवाओं की सक्रिय भागीदारी से विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित होगी। अपने अभिवादन का अंत करते हुए उन्होंने कहा एक अच्छे नेता को पता होना चाहिए कि राजनीति क्या है लेकिन राजनीति नहीं करनी चाहिए।

समकुलपति प्रो. सुषमा यादव कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन श्लोक का उचारण करते हुए अपने अभिवादन का आरंभ किया। सतत विकास बात करते हुए उन्होंने कहा हमे संसाधनों का उपयोग आने वाली पीढ़ियों को ध्यान में रखकर करना चाहिए। हमारे यहां प्रकृति की पूजा सदियों से चली आ रही है। उन्होंने कहा ज्ञान और विज्ञानं के मिश्रण से ही हमारा विकास होगा। सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने इस आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति व छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के प्रति आभार व्यक्ति करते हुए कहा कि यह आयोजन विद्यार्थियों को न सिर्फ भारत बल्कि समूचे विश्व के भविष्य के लिए आवश्यक पर्यावरणीय नीतियों को जानने समझने और उनपर विमर्श का अवसर प्रदान कर रहा है। आयोजन में शामिल युवाओं से यही आशा है कि वो इस विषय की गंभीरता को समझते हुए अपनी-अपनी भूमिका के अनुरूप आवश्यक विमर्श प्रस्तुत करेंगे। मौजूदा योजानाओं की जानकारी से लेकर भविष्य की कार्ययोजना तक की समझ विकसित करने का यह एक अहम अवसर है आशा करती हूं कि इस आयोजन के माध्यम से हमारे विद्यार्थी न सिर्फ देश बल्कि विश्व के समक्ष नए विचारों के प्रसार की दिशा में अग्रसर होंगे। हमारा सपना विकसित भारत का निर्माण करता है और यह पूरा तभी होगा जब समूचा विश्व विकसित होगा, क्योंकि हमारे विकास में ही विश्व का विकास है। अभिवादन के अंत में कहा की विकसित भारत में विकसित विश्व छुपा है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने इस आयोजन को विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता के विकास और देश-दुनिया के समक्ष उपलब्ध समस्याओं जानने समझने और उनका समाधान खोजने की दिशा में उपयोगी बताया। प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि यूजीसी के निदेशानुसार यह कार्यक्रम यूएनडीपी की साझेदारी के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। आयोजन में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर अपने विचार रखने का अवसर भी मिलेगा। एक दिवसीय इस कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डॉ. नीरज कर्ण सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा विद्या वही है जो भावो को ले जाये लेकिन उसे बांधे ना। और कहा की भारत योग की संस्कृति है भोग की नहीं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 30-08-2024**

विश्व कल्याण के लिए लोकतांत्रिक मूल्य अहम

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में वीरवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के निर्देशानुसार युवा मंथन का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता का विकास और युवाओं में राष्ट्रीय और वैश्विक मुद्दों पर जानकारी बढ़ाना है।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को दो समूहों में बंटा गया। प्रतिभागियों ने अलग-अलग देशों और राजनीतिक दलों का नेतृत्व किया। हकेंवि के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय की ओर से आयोजित कार्यक्रम में स्वागत भाषण छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो.आनंद शर्मा ने दिया। कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार, सम कुलपति प्रो.सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहे।

प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक व्यवस्था की समझ को विकसित करने और उनकी इस व्यवस्था में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने में मददगार साबित होगी। विश्व कल्याण के लिए लोकतांत्रिक मूल्य महत्वपूर्ण हैं। न सिर्फ भारत बल्कि समूचे

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का स्वागत करते प्रो. आनंद शर्मा। स्रोत: हकेंवि

नेतृत्व क्षमता और वैश्विक मुद्दों पर ज्ञान बढ़ाने के लिए हकेंवि में युवाओं ने किया मंथन

विश्व में आपसी सहयोग, समरसता स्थापित करने की दिशा में प्रयास करने की आवश्यकता है। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था जनता के लिए, जनता के द्वारा की नीति पर कार्य करती है और विश्व कल्याण के लिए आवश्यक है कि यह विचार समूचे विश्व के स्तर पर स्वीकार्य हो। कुलपति ने युवा मंथन के इस दिशा में बेहद आवश्यक और समय की मांग बताते हुए कहा कि अवश्य ही ऐसे ही प्रयासों और उनमें युवाओं की सक्रिय भागीदारी से विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित होगी।

समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा हमें संसाधनों का उपयोग आने वाली पीढ़ियों को ध्यान में रखकर करना चाहिए। हमारे यहां प्रकृति की पूजा सदियों से चली आ रही है।

ज्ञान और विज्ञान के मिश्रण से ही हमारा विकास होगा। कुलसचिव प्रो.सुनील कुमार ने इस आयोजन को विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता के विकास और देश-दुनिया के समक्ष उपलब्ध समस्याओं जानने समझने और उनका समाधान खोजने की दिशा में उपयोगी बताया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 30-08-2024**

कार्यक्रम • हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हुआ युवा मंथन का आयोजन

सक्रिय भागीदारी के लिए आवश्यक है युवाओं में देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की समझ : वीसी

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि में गुरुवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार युवा मंथन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता का विकास और युवाओं में राष्ट्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर जानकारी बढ़ाना है।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। प्रो.आनंद शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। इस मौके विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार, समकुलपति प्रो.सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहे। कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही यह आयोजन विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक व्यवस्था की समझ को विकसित करने और उनकी इस व्यवस्था में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने में मददगार साबित होगी। कुलपति ने अपने संबोधन में विश्व कल्याण के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि न सिर्फ भारत बल्कि समूचे विश्व में आपसी सहयोग, समरसता स्थापित करने की दिशा में प्रयास करने की आवश्यकता है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो.सुनील कुमार, प्रो.आनंद शर्मा, कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डॉ. नीरज कर्ण सिंह ने संबोधित किया। कार्यक्रम के आयोजन छात्र कल्याणा अधिष्ठाता कार्यालय से डॉ. रेणु यादव, डॉ. मुलका मारूति ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 30-08-2024**

'विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक व्यवस्था की समझ को विकसित करने पर है जोर'

संवाद सहयोगी, जागरण ● महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में बृहस्पतिवा को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के निर्देशानुसार युवा मंथन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता का विकास और युवाओं में राष्ट्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर जानकारी बढ़ाना है। विद्यार्थियों को दो अलग अलग वर्गों यूएनडीपी और एईपीपीएम में बांटा गया। यूएनडीपी में विद्यार्थियों ने अलग अलग देशों और एईपीपीएम में अलग अलग राजनीतिक दलों का नेतृत्व किया।विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। कार्यक्रम की रूपरेखा व स्वागत भाषण छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो.आनंद शर्मा के द्वारा प्रस्तुत किया गया। विजेताओं में मुकेश कुमार, संदीप कुमार मंडल, कृतिका, सिया सहरान, रूचि समिता नाग व मानसी चौधरी शामिल रहीं।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही यह आयोजन विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक व्यवस्था की समझ को विकसित करने और उनकी इस व्यवस्था में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने में मददगार साबित होगी। उन्होंने कहा कि विश्व कल्याण के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि न सिर्फ भारत बल्कि समूचे विश्व में आपसी सहयोग, समरसता स्थापित करने की दिशा में प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था जनता के लिए, जनता के द्वारा की नीति पर कार्य करती है और विश्व कल्याण के लिए आवश्यक है कि यह विचार समूचे विश्व के स्तर पर स्वीकार्य हो। आज समय है कि हम न सिर्फ संसद, विधानसभा जैसी संस्थाओं की प्रक्रिया समझें बल्कि उनमें सक्रिय भागीदारी भी करें।

समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने सतत विकास की बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमें संसाधनों का उपयोग आने वाली पीढ़ियों को ध्यान में रखकर करना चाहिए। हमारे यहां प्रकृति की पूजा सदियों से चली आ रही है। उन्होंने कहा ज्ञान और विज्ञान के मिश्रण से ही हमारा विकास होगा। कुलसचिव प्रो.सुनील कुमार ने इस आयोजन को विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता के विकास और देश-दुनिया के समक्ष उपलब्ध समस्याओं जानने समझने और उनका समाधान खोजने की दिशा में उपयोगी बताया। प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि यूजीसी के निर्देशानुसार यह कार्यक्रम यूएनडीपी की साझेदारी के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। मुख्य संयोजक डा. नीरज कर्ण सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

हकेंवि में आयोजित युवा मंथन कार्यक्रम में दीप प्रज्जवलित करते कुलपति ● सौः हकेंवि

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 30-08-2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में युवा मंथन का आयोजन

युवाओं में लोकतांत्रिक व्यवस्था की समझ जरूरी : कुलपति

महेंद्रगढ़, 29 अगस्त (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में बृहस्पतिवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के निर्देशानुसार युवा मंथन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता का विकास और युवाओं में राष्ट्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर जानकारी बढ़ाना है। विद्यार्थियों को दो अलग-अलग वर्गों में बांटा गया - यूएनडीपी और एईपीपीएम। यूएनडीपी में विद्यार्थियों ने अलग-अलग देशों और एईपीपीएम में अलग-अलग राजनीतिक दलों का नेतृत्व किया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की रूपरेखा व स्वागत भाषण छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया।

पर्यावरण के लिए जीवनशैली विषय पर केंद्रित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह आयोजन विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक व्यवस्था की समझ को विकसित करने और उनकी इस व्यवस्था में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने में मददगार साबित होगा। कुलपति ने अपने संबोधन में विश्व कल्याण के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि न सिर्फ भारत बल्कि समूचे विश्व में आपसी सहयोग, समरसता स्थापित करने की दिशा में प्रयास करने की आवश्यकता है। हमारा सामान्य जीवन राजनीतिक दलों से प्रभावित होता है। आज के समय में युवाओं को चाहिए कि वो न सिर्फ लोकतांत्रिक व्यवस्था व उससे जुड़ी संस्थाओं को जानें-समझें बल्कि वे इनकी कार्यप्रणाली में सक्रिय भागीदारी, जो कि उनके स्तर पर संभव है, वो भी निभाएं। कुलपति ने युवा मंथन के इस दिशा में बेहद आवश्यक और समय की मांग बताते हुए कहा कि अवश्य ही ऐसे ही प्रयासों और उनमें युवाओं की सक्रिय भागीदारी से विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित होगी। अपने अभिवादन का अंत करते हुए उन्होंने कहा एक अच्छे नेता को पता होना चाहिए कि राजनीति क्या है लेकिन राजनीति नहीं करनी चाहिए। समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने सतत विकास की बात करते हुए कहा कि उन्हें संसाधनों का उपयोग आने वाली पीढ़ियों को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

दैनिक ट्रिब्यून Fri, 30 August 2024
https://epaper.dainiktribuneonline.com/c/75747445

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Impressive Times **Date: 30-08-2024**

Youth Conclave Organized at Central University of Haryana

Manish Kumar
info@impressivetimes.com

MAHENDRAGARH : A Youth Conclave was organized on Thursday at the Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, following the directives of the University Grants Commission (UGC). The aim of this program was to develop leadership skills among students and to enhance their knowledge of national and global issues. The students were divided into two groups: UNDP and AIPPM. In UNDP, the students represented different countries, while in AIPPM, they represented different political parties. The program, organized by the University's Dean of Student Welfare office, began with the lighting of a lamp. The outline of the program and the welcome address were presented by Professor Anand Sharma, the Dean of Student Welfare. The Vice-Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar, the Pro-Vice-Chancellor Prof. Sushma Yadav, and the Registrar, Prof. Sunil Kumar, were also present. Addressing the program centered on "Lifestyle for the Environment," the Vice-Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar, said that this event would indeed help in developing an understanding of the democratic system among students and ensure their active participation in it. In his address, the Vice-Chancellor emphasized the importance of democratic values for global welfare and stated that there is a need to strive for mutual cooperation and harmony, not just in India but across the world. He explained how our daily lives are influenced by political parties. Commending the efforts of the Ministry of Education and UGC, he said that today's youth should not only understand the democratic system and its related institutions but also actively participate in their functioning wherever possible. The Vice-Chancellor added that India's democratic system operates on the principle of "for the people, by the people, of the people" and for global welfare, this idea should be accepted globally. He emphasized that it is time to not only understand the processes of institutions like Parliament and Legislative Assemblies but also actively participate in them. While we are aware of the right to vote, it is crucial to understand its significance as well. Highlighting the importance of this Youth Conclave, the Vice-Chancellor stated that such efforts and the active participation of youth will indeed help achieve the goal of a developed India by 2047. Concluding his address, he said a good leader should know what politics is but should not engage in it.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 30-08-2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में युवा मंथन आयोजित

अच्छे नेता को पता होना चाहिए कि राजनीति क्या है, लेकिन राजनीति नहीं करनी चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। युवा मंथन कार्यक्रम में कुलपति प्रो .टंकेश्वर कुमार का स्वागत करते प्रो . आनंद शर्मा। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में वीरवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के निर्देशानुसार युवा मंथन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता का विकास और युवाओं में राष्ट्रीय एवं वैश्विक मुद्दो पर जानकारी बढ़ाना है। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। कार्यक्रम की रूपरेखा व स्वागत भाषण छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा के द्वारा प्रस्तुत किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहे। पर्यावरण के लिए जीवनशैली विषय पर केंद्रित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही यह आयोजन विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक व्यवस्था की समझ को विकसित करने और उनकी इस व्यवस्था में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने में मददगार साबित होगी। कुलपति ने विश्व कल्याण के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि न सिर्फ भारत बल्कि समूचे विश्व में आपसी सहयोग, समरसता स्थापित करने की दिशा में प्रयास करने की आवश्यकता है। कुलपति ने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था जनता के लिए, जनता के द्वारा की नीति पर कार्य करती है और विश्व कल्याण के लिए आवश्यक है कि यह विचार समूचे विश्व के स्तर पर स्वीकार्य हो। आज समय है कि हम न सिर्फ संसद, विधानसभा जैसी संस्थाओं की प्रक्रिया को जाने समझे बल्कि उनमें सक्रिय भागीदारी भी करें। वोट का अधिकार तो हमें ज्ञात है आवश्यक है कि उसके महत्व को भी जाने। कुलपति ने युवा मंथन के इस दिशा में बेहद आवश्यक और समय की मांग बताते हुए कहा कि अवश्य ही ऐसे ही प्रयासों और उनमें युवाओं की सक्रिय भागीदारी से विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित होगी। अपने अभिवादन का अंत करते हुए उन्होंने कहा एक अच्छे नेता को पता होना चाहिए कि राजनीति क्या है लेकिन राजनीति नहीं करनी चाहिए। समकुलपति प्रो. सुषमा यादव कहा कि हमे संसाधनों का उपयोग आने वाली पीढियों को ध्यान में रखकर करना चाहिए। हमारे यहां प्रकृति की पूजा सदियों से चली आ रही है। उन्होंने कहा ज्ञान और विज्ञान के मिश्रण से ही हमारा विकास होगा। सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने इस आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति व छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के प्रति आभार व्यक्ति करते हुए कहा कि यह आयोजन विद्यार्थियों को न सिर्फ भारत बल्कि समूचे विश्व के भविष्य के लिए आवश्यक पर्यावरणीय नीतियों को जानने समझने और उन पर विमर्श का अवसर प्रदान कर रहा है। विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने इस आयोजन को विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता के विकास और देश-दुनिया के समक्ष उपलब्ध समस्याओं जानने समझने और उनका समाधान खोजने की दिशा में उपयोगी बताया।

प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि यूजीसी के निर्देशानुसार यह कार्यक्रम यूएनडीपी की सांझेदारी के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। एक दिवसीय इस कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डॉ. नीरज कर्ण सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस युवा मंथन के माध्यम से हम युवाओं को मथ रहे है। प्रो. बीरपाल सिंह यादव, उपाध्यक्ष डॉ. आरती यादव और महासचिव डॉ. मोना शर्मा रही। प्रो. नीलम सांगवान, उपाध्यक्ष प्रो. पायल चंदेल और महासचिव प्रो. कांति प्रकाश रहे। इस मौके पर डॉ. रेणु यादव, डॉ. मुलका, दविंद्रा, अर्जुन, हलीमा रीमा, सचिन, कुलदीप, गौतम, प्रज्ञा, श्रुति, अंकिता और भावना का अहम सहयोग रहा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Janjagran Sandesh **Date: 30-08-2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हुआ युवा मंथन का आयोजन

कुलपति बोले युवाओं में देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की समझ सक्रिय भागीदारी के लिए आवश्यक

जन जागरण संदेश

विष्णु शर्मा / हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.के.वि), महेंद्रगढ़ में गुरुवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के निर्देशानुसार युवा मंथन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता का विकास और युवाओं में राष्ट्रीय एवं वैश्विक मुद्दो पर जानकारी बढ़ाना है। विद्यार्थियों को दो अलग अलग वर्गों में बंटा गया यू.एन.डी.पी. और ए.ई.पी.पी.एम.। यू.एन.डी.पी. में विद्यार्थियों ने अलग अलग देशों और ए.ई.पी.पी.एम. में अलग अलग राजनीतिक दलों का नेतृत्व किया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलित के साथ हुई। कार्यक्रम की रूपरेखा व स्वागत

भाषण छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो.आनंद शर्मा के द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार, सम कुलपति प्रो.सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहें। पर्यावरण के लिए जीवनशैली विषय पर केंद्रित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही यह आयोजन विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक व्यवस्था की समझ को विकसित करने और उनकी इस व्यवस्था में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने में मददगार साबित होगी। कुलपति ने अपने संबोधन में विश्व कल्याण के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि न सिर्फ भारत बल्कि समूचे विश्व में आपसी सहयोग, समरसता स्थापित करने की दिशा में प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया की कैसे हमारा सामान्य जीवन राजनैतिक दलों से प्रभावित होता है। शिक्षा मंत्रालय व यूजीसी के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में युवाओं को चाहिए कि वो न सिर्फ लोकतांत्रिक व्यवस्था व उससे जुड़ी संस्थाओं को जाने समझे बल्कि वे इनकी कार्यप्रणाली में सक्रिय भागीदारी जोकि उनके स्तर पर संभव है, वो भी निभाए। कुलपति ने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था जनता के लिए, जनता के द्वारा की नीति पर कार्य करती है और विश्व कल्याण के लिए आवश्यक है कि यह विचार समूचे विश्व के स्तर पर स्वीकार्य हो। आज समय है कि हम न सिर्फ संसद, विधानसभा जैसी संस्थाओं की प्रक्रिया को जाने समझे बल्कि उनमें सक्रिय भागीदारी भी करें। वोट का अधिकार तो हमें ज्ञात है आवश्यक है कि उसके महत्व को भी जाने। कुलपति ने युवा मंथन के इस दिशा में बेहद आवश्यक और समय की मांग बताते हुए कहा कि अवश्य ही ऐसे ही प्रयासों और उनमें युवाओं की सक्रिय भागीदारी से विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित होगी। अपने अभिवादन का अंत करते हुए उन्होंने कहा एक अच्छे नेता को पता होना चाहिए कि राजनीति क्या है लेकिन राजनीति नहीं करनी चाहिए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navoday Times **Date: 30-08-2024**

'युवाओं में लोकतांत्रिक व्यवस्था की समझ सक्रिय भागीदारी के लिए जरूरी'

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में गुरुवार को यूजीसी के निर्देशानुसार युवा मंथन का आयोजन

महेंद्रगढ़, 29 अगस्त (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में गुरुवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के निर्देशानुसार युवा मंथन का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता का विकास और युवावो में राष्ट्रीय एवं वैश्विक मुदो पर जानकारी बढ़ाना है। विद्यार्थियों को दो अलग अलग वर्गों में बंटा गया यू.एन.डी.पी. और ए.ई.पी.पी.एम.। यू.एन.डी.पी. में विध्यार्तियों ने अलग अलग देशों और ए.ई.पी.पी.एम. में अलग अलग राजनीतिक दलों का नेतृत्व किया।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। कार्यक्रम की रूपरेखा व स्वागत भाषण छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो.आनंद शर्मा के द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार, सम कुलपति प्रो.सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहें।

दीप प्रज्जवलित करते कुलपति टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही यह आयोजन विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक व्यवस्था की समझ को विकसित करने और उनकी इस व्यवस्था में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने में मददगार साबित होगी। कुलपति ने अपने संबोधन में विश्व कल्याण के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि न सिर्फ भारत बल्कि समूचे विश्व में आपसी सहयोग, समरसता स्थापित करने की दिशा में प्रयास करने की आवश्यकता है। वोट का अधिकार तो हमें ज्ञात है आवश्यक है कि उसके महत्व को भी जाने। अपने अभिवादन का अंत करते हुए उन्होंने कहा एक अच्छे नेता को पता होना चाहिए कि राजनीति क्या है लेकिन राजनीति नहीं करनी चाहिए।

समकुलपति प्रो. सुषमा ने कहा हमे संसाधनों का उपयोग आने वाली पीदियों को ध्यान में रखकर करना चाहिए। हमारे यहाँ प्रकृति की पूजा सदियों से चली आ रही है। सम कुलपति प्रो.सुषमा यादव ने इस आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति व छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के प्रति आभार व्यक्ति किया। हमारा सपना विकसित भारत का निर्माण करता है और यह पूरा तभी होगा जब समूचा विश्व विकसित होगा, क्योंकि हमारे विकास में ही विश्व का विकास है। अभिवादन के अंत में कहा की विकसित भारत में विकसित विश्व छुपा है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो.सुनील कुमार ने इस आयोजन को विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता के विकास और देश-दुनिया के समक्ष उपलब्ध समस्याओं जानने समझने और उनका समाधान खोजने की दिशा में उपयोगी बताया। प्रो.आनंद शर्मा ने बताया कि यूजीसी के निर्देशानुसार यह कार्यक्रम यूएनडीपी की साझेदारी के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। आयोजन में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर अपने विचार रखने का अवसर भी मिलेगा। एक दिवसीय इस कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डॉ. नीरज कर्ण सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। ए.ई.पी.पी.एम. के अध्यक्षप्रो. बीरपाल सिंह यादव, उपाध्यक्षडॉ. आरती यादवऔर महासचिव डॉ. मोना शर्मा रही। यू.एन.डी.पी. अध्यक्षप्रो. नीलम सांगवान,, उपाध्यक्षप्रो. पायल चंदेल और महासचिवप्रो. कांति प्रकाश रहे।अंत में पांच प्रतिभागियों को अगले स्तर के लिए चयनित किया जायेगा।कार्यक्रम के आयोजन छात्र कल्याणा अधिष्ठाता कार्यालय से डॉ. रेणु यादव, डॉ. मुलका मारूति ने विशेष सहयोग प्रदान किया।कार्यक्रम के आयोजन में विध्यार्तियो दविंद्रा, अर्जुन, हलीमा रीमा, सचिन, कुलदीप, गौतम, प्रज्ञा, श्रुति, अंकिता और भावना का अहम सहयोग रहा।

नवोदय टाइम्स Fri, 30 August 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/75745816